सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, शनिवार, 02 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 206, पृष्ठः 8+4

इनसाइड वर्चस्व की लड़ाई में सात गुना महंगा बिका मत्स्य... » Pg 03

युवा पत्रकारों के लिए ये क्या बोल गए रेवंत रेड्डी-'कभी-कभी मन करता है कि...'

» Pg 12

'भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा'

ट्रंप की 'डेड इकोनॉमी' वाली टिप्पणी के बाद आया पीएम मोदी का बयान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही है। अस्थिरता का माहौल है। ऐसे में दुनिया के देश अपने-अपने हितों पर फोकस कर रहे हैं। भारत भी दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। इसलिए भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना ही है। हमारे किसान, हमारे लघु उद्योग, युवाओं के रोजगार और हित हमारे लिए सर्वोपरि हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड इकोनॉमी' बताया था। उनके इस तंज के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से करारा संदेश दिया और कहा

कि भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। पीएम मोदी ने देशवासियों को स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाया और कहा कि अब समय आ गया है कि हर भारतीय, हर खरीदारी में देशहित को प्राथमिकता दे। प्रधानमंत्री ने साफ कहा-अब भारत भी हर चीज को परखने के लिए सिर्फएक ही तराजू इस्तेमाल करेगा, वो है, भारतीय पसीने से बनी चीजें। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है जब देश का हर नागरिक, हर दुकानदार और हर उपभोक्ता इस मंत्र को अपनाए कि हम वही खरीदेंगे जो भारत में बना हो, जिसे भारतीय हाथों ने गढ़ा हो और जिसमें हमारे देश का पसीना हो। वैश्विक अस्थिरता के दौर में भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यह सिर्फ सरकार की नहीं, हर भारतवासी की जिम्मेदारी है।

हर नागरिक बने स्वदेशी का प्रचारक : प्रधानमंत्री मोदी ने इस संकल्प को सिर्फ सरकार या राजनीतिक दलों तक सीमित ना रखकर हर नागरिक की जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा, सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है। लेकिन देश के नागरिक के रूप में हमारे कुछ दायित्व हैं। ये बात सिर्फ मोदी नहीं, हिंदुस्तान के हर व्यक्ति को हर पल बोलते रहना चाहिए दूसरे को कहते रहना चाहिए। जो देश का भला चाहते हैं, जो देश को तीसरे नंबर की इकोनॉमी बनाना चाहते हैं, उसे अपने संकोच को छोड़कर देशहित में हर पल देशवासियों के अंदर एक भाव जगाना होगा- वह संकल्प है, हम स्वदेशी को अपनाएं।

'व्यापारी स्वदेशी माल बेचें यही सच्ची देशसेवा'

प्रधानमंत्री ने देश के व्यापारियों और उद्योगजगत से विशेष आग्रह किया और कहा, अब समय आ गया है कि सिर्फ और सिर्फ स्वदेशी उत्पादों को ही बेचा जाए। उन्होंने कहा, मैं व्यापार जगत से जुड़े भाइयों को आगाह करता हूं कि अब हमारी दुकानों पर सिर्फ स्वदेशी सामान बिकना चाहिए। यही देश की सच्ची सेवा होगी। जब हर घर में नया सामान आए तो वो स्वदेशी ही हो, यही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब वैश्विक व्यापारिक दबाव, रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन से आयात पर बहस और अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी जैसे मुद्दे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा के केंद्र में हैं।

छोड़ी दुनियां दूसरे समुदाय के प्रेमी के साथ भागी चार बच्चों की मां, फोन पर पति को मारा ताना

'जहर खा लो, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता' सुन पति ने की सुसाइड

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद में एक शख्स ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। मृतक की पहचान मोहल्ला हाथा हकीम जी निवासी सर्वेश उर्फ लाली के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सर्वेश की पत्नी बुधवार को मोहल्ले के ही एक अन्य समुदाय के युवक के साथ घर छोड़कर भाग गई थी। यह दूसरा मौका था जब वह अपने प्रेमी के साथ घर छोड़कर गई थी।

पत्नी फोन पर बोली-जहर खा लो, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता : बच्चों के

» इससे पहले भी रिंकी इसके साथ भाग चुकी थी

» बच्चों के बारे में सोच कर कर दिया था माफ

अनुसार 4 दिन से उनके पिता सर्वेश ने खाना नहीं खाया था। सर्वेश ने पत्नी से फोन पर बात की, तो पत्नी ने तानों भरे लहजे में कहा, 'जहर खा लो, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।' इस बात से आहत होकर सर्वेश ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद लेकर पहुंचे। वहां से डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

प्रेमी के साथ पहले भी फरार हो चुकी थी महिला : मृतक सर्वेश नवीन गल्ला मंडी में पल्लेदारी करके अपने चार बच्चों और परिवार का भरण-पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि कुछ महीने पहले भी उसकी पत्नी एक बार प्रेमी के साथ भाग गई थी। लेकिन बाद में लौट आई थी। तब सर्वेश ने बच्चों के भविष्य को देखते हुए पत्नी को माफ कर दिया था। मगर बुधवार को पत्नी दोबारा उसी प्रेमी के साथ चली गई। इससे सर्वेश मानसिक रूप से टूट गया। सूचना मिलने पर तहसील प्रशासन के अधिकारी अस्पताल पहुंचे और सर्वेश (मौत से पहले) के बयान दर्ज किए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रेमी को लेकर पति-पत्नी में होती थी लड़ाई : बताया जा रहा है 4 वर्ष से सर्वेश की पत्नी रिंकी हकीम के संपर्क में थी। दोनों फोन पर बात करते थे जिसका विरोध पति और बच्चे किया करते थे। सर्वेश की पत्नी रिंकी हकीम के साथ फिलहाल शाहजहांपुर चली गई है और हकीम के परिजन घर में ताला लगाकर फरार हैं।

केडीए वीसी की साख पर सवाल!

दीपू चौहान फूड कोर्ट- अवैध निर्माण या सिस्टम की मिलीभगत?

» **हाईकोर्ट की सुनवाई के नाम पर धड़ल्ले से चल रहा निर्माण कार्य**

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। जहां कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) छोटी-छोटी रिहायशी दीवारों पर भी बुलडोजर लेकर टूट पड़ता है, वहीं भौंती हाइवे पर चल रहा दीपू चौहान फूड कोर्ट का अवैध निर्माण केडीए की लाचारी या साज़िशन चुप्पी पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

हाईकोर्ट ने इस निर्माण कार्य पर न स्टे दिया है, न कोई अग्रिम रोक, बावजूद इसके फूड कोर्ट का निर्माण दिन-रात बेतहाशा गति से पूरा किया जा रहा है। केडीए सचिव अभय पांडेय सुनवाई के नाम पर तारीखें बढ़ाते जा रहे हैं, जबकि मौके पर बड़ी लाइटें और भारी मशीनरी लगाकर निर्माण दिन-रात जारी है।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com | कानपुर सिटी | कानपुर, गुरुवार 05 जून, 2025 | 03

केडीए के 'अभयदान' से तन गया अवैध फूड कोर्ट

» वीसी मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देशों को दरकिनार कर जारी है अवैध निर्माण

» भ्रष्टाचार की जड़ में अफसरों और बिल्डर की लाखों की सांठगांठ

» अवैध निर्माण पर प्रशासन की चुप्पी, रसूखदार की दबंगई भारी

आज की डेट में जारी निर्माण कार्य

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर के भौंती हाईवे किनारे बन रहा दीपू चौहान फूड कोर्ट कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के नियमों और शहरी विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से ताक पर रखकर तैयार हो रहा है। जबकि केडीए के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल स्वयं मीटिंगों में बार-बार अवैध निर्माणों पर रोक लगाने के निर्देश दे चुके हैं, लेकिन उनका आदेश नीचे तक पहुंचते-पहुंचते या तो कमजोर पड़ जाता है या जानबूझकर अनदेखा कर दिया जाता है। निर्माणकर्ता पहले ही जिला पंचायत का नक्शा दिखाकर न्यायालय गया था, लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि शहरी सीमा के अंतर्गत ऐसे नक्शों ...

लाखों की डील ने बदल दिया सिस्टम का चेहरा

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, दीपू चौहान फूड कोर्ट से जुड़े इस पूरे निर्माण कार्य में केडीए के कुछ वरिष्ठ ...

अवैध निर्माणों की लंबी फेहरिस्त
मालामाल प्रवर्तन दस्ता

अवैध निर्माण रोकने के लिए जोनल अधिकारी को निर्देशित किया गया है, फूड कोर्ट संचालक ने कोर्ट में दोबारा प्रत्यावेदन दिया है, इसको देखा जा रहा है। डीसीपी को पत्र भेजा जा रहा है और रोक के बाद भी निर्माण न रोकने पर ...

> दीपू चौहान फूड कोर्ट मामले की जानकारी है। सचिव को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए जा चुके हैं। यदि कोई लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है, तो संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे।
>
> **मदन सिंह गर्ब्यालय,**
> **उपाध्यक्ष, केडीए**

पुलिस को दी गई चिट्ठियां भी बेअसर

भौंती के प्रतापपुर गांव स्थित आराजी संख्या 734, 735, 736, 737, 738 (खाता संख्या 156) पर खड़ा किया जा रहा है यह विशाल फूड कोर्ट। शुरुआत में जिला पंचायत के नक्शे पर मंजूरी दिखाकर काम शुरू हुआ। जब स्वराज इंडिया ने खुलासा किया तो केडीए ने नोटिस देना शुरू किया, स्थानीय पुलिस को अवगत कराया गया, लेकिन निर्माणकर्ता की हनक के सामने सब बेबस नजर आए।

हाईकोर्ट की सुनवाई बनी ढाल

निर्माणकर्ता दीपू चौहान पहले हाईकोर्ट पहुंचा, जहां से केवल प्रत्यावेदन निस्तारण का निर्देश दिया गया था। न तो कोई रोक लगी, न ही राहत मिली। लेकिन अब इस कानूनी प्रक्रिया को ढाल बनाकर निर्माण तेजी से पूरा किया जा रहा है।

केडीए सचिव अभय पांडेय ने याचिका निस्तारित करते हुए निर्माणकर्ता को शमन कराने के निर्देश दिए थे, जिसे उसने रद्दी की टोकरी में डाल दिया और दोबारा हाईकोर्ट पहुंच गया। अब सचिव कार्यालय ने 5 अगस्त तक का समय और दिया है — यानी निर्माण पूरा कर लेने का खुला समय!

सूत्र बताते हैं कि सचिव कार्यालय ने पहले सुनवाई की तारीख 28 जुलाई तय की थी — पूरे एक महीने बाद। और अब निर्माणकर्ता की अनुपस्थिति के बाद भी और समय दे दिया गया है।

सवाल उठता है

जब यह मामला एक दिन में निस्तारित हो सकता था, तो इतनी ढिलाई क्यों?

लेकिन सवाल यह है कि क्या अधिकारी वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल की साख को ही दांव पर लगाने में जुटे हैं? या फिर यह पूरा सिस्टम मिलीभगत की सीमेंट से जुड़ा है?

स्वराज इंडिया इस पूरे प्रकरण पर पैनी नजर बनाए हुए है। अगले अंक में करेंगे खुलासा- केडीए की नोटिसबाजी बनाम दीपू चौहान की मॉकरी!

राजर्षि पुरुषोत्तम टंडन जी की 143वीं जयंती पर श्रद्धांजलि सभा

» **देशहित में उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भारत रत्न से सम्मानित राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी की 143वीं जयंती खत्री सभा कानपुर एवं राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई।

समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और खत्री समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं खत्री सभा कानपुर की अध्यक्ष गीता टंडन कपूर ने राजर्षि टंडन जी के जीवन और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे केवल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ही नहीं, बल्कि एक प्रखर राष्ट्रभक्त और समाजसेवी भी थे। उन्होंने हमेशा समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया और जीवनभर देशहित को सर्वोपरि रखा।

गीता टंडन कपूर ने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि वे राजर्षि टंडन जी के आदर्शों और सिद्धांतों को जीवन में अपनाएं और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। समारोह में उपस्थित लोगों ने भी उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर दादा नगर कोऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट के चेयरमैन विजय कपूर, खत्री सभा के महामंत्री सुरेशचंद्र मेहरोत्रा, निखिल टंडन, मुकुल टंडन, रवि टंडन, डा. अनिल मेहरोत्रा, वी. पी. खन्ना सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने राजर्षि टंडन जी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

वर्चस्व की लडाई में सात गुना महंगा बिका मत्स्य आखेट का पट्टा

यमुना नदी में मछली पकडने की बोली आठ लाख से शुरू 53 लाख 50 हजार रुपये में रुकी

» 30 से 45 मिनट चली नीलामी, रोमांच और चर्चा रही

» फिल्मी स्टाईल में नीलामी देख अफसर और लोग हैरान

स्वराज इंडिया एक्लूसिव

राहुल पांडेय/ स्वराज इंडिया

कानपुर।नीलामी में वर्चस्व की लडाई अक्सर फिल्मों में देखी होगी, बीते रोज एक नीलामी के दौरान शुरू हुई वर्चस्व की लडाई ने तो इतिहास ही रच दिया। घाटमपुर में यमुना नदी सदनीरा के खंड छह के मत्स्य आखेट की नीलामी काफी रोचक रही। फिल्मी स्टाइल में करीब आठ लाख रूपये से शुरू हुई बोली 53,50,000 पहुंच गई। अफसर ही नहीं वहां मौजूद लोग भी भौचक्के कि आखिर यह क्या हो रहा है?

एडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी ने बताया की मत्स्य विभाग की ओर यमुना नदी के विभिन्न आखेट पट्टों की नीलामी की गई है। जिसमें खंड 6 की नीलामी 7.75 लाख से शुरू होकर 53.50 लाख रुपये पर समाप्त हुई। इस आवंटन के लिए करीब 30- 45 मिनट तक बोली लगती रही। नीलामी के बाद मत्स्य जीवी सहकारी समिति लि. हरदौली को 53,50,000 रुपये में पट्टा आवंटित किया गया है।

हम आपको बताते हैं कि बोली कैसे लगना शुरू हुई

सदानीरा यमुना नदी के 6 खंडों में मत्स्य आखेट पट्टा के लिए नीलामी आयोजित की। जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों की नीलामी शुरू हुई। सभी आखेट पट्टों की नीलामी निर्धारित मूल्य से 10 हजार रुपये से 30 हजार रुपये अधिक कीमत पर आवंटित हो गया। मगर जैसे ही खंड संख्या छह की नीलामी शुरू हुई, वहां मौजूद सभी आवेदक और अधिकारी भी हतप्रभ रह गए, क्योंकि नीलामी की बोली का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा था। तीन दावेदारों ने पट्टा आवंटित कराने के लिए पहली बोली 8 लाख रुपये से शुरू की। फिर 9 लाख, 10 लाख तक पहुंची।

अचानक एक दावेदार ने बोली बढ़ाते हुए 21 लाख कर दी। फिर 22 लाख, 23 लाख तक पहुंची। तभी एक दावेदार ने अचानक बोली बढ़ाते हुए 31 लाख कर दी। फिर 32 लाख, 33 लाख, 35 लाख, 36 लाख, 37 लाख तक पहुंची। इससे एक आवेदक ने अपना दावा छोड़ दिया। अब मुकाबला मत्स्य जीवी सहकारी समिति लि. हरदौली और दहिलर सानी के बीच शुरू हुआ। बोली, 40 लाख, 41 लाख, 42 लाख, 43 लाख, 47 लाख, 48 लाख, 49 लाख, 50 लाख, 52 लाख, 52.50 लाख, 53 लाख और 53.50 लाख रुपये पर अंतिम बोली लगी। यह आवंटन मत्स्य जीवी सहकारी समिति लि. हरदौली को दिया गया। किसी एक पट्टे का आवंटन निर्धारित मूल्य से लगभग सात गुना अधिक कीमत पर पहली बार हुआ है।

जर्जर स्कूल के बाहर पढ़ रहे बच्चों पर गिरी पेड़ की डाल

» दो घायल, बीईओ बोले- अब तक लंबित है प्रस्ताव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर के उस्मानपुर में जर्जर स्कूल भवन के बाहर पढ़ रहे दो बच्चों पर महुआ के पेड़ की डाल गिर गई, जिससे वे घायल हो गए। स्कूल की खराब हालत की शिकायतें 2022 से हो रही थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई थी।

कानपुर में घाटमपुर क्षेत्र के उस्मानपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय का भवन जर्जर होने के कारण बाहर बैठकर पढ़ाई कर रहे बच्चों पर महुआ के पेड़ की डाल टूटकर गिर गई। इस हादसे में दो बच्चे घायल हो गए, जिन्हें खंड शिक्षाधिकारी राजेंद्र कुशवाहा ने सीएचसी में भर्ती कराया है।

यह घटना तब हुई जब कक्षा पांच के छात्र रवि और कन्हैया स्कूल के बाहर पढ़ाई कर रहे थे। पेड़ की डाल गिरने से दोनों घायल हो गए। खंड शिक्षाधिकारी ने बताया कि स्कूल भवन जर्जर होने की लिखित सूचना 2022 में पूर्व खंड शिक्षाधिकारी द्वारा और 2023 में उनके द्वारा दी जा चुकी है।अभी तक लंबित है प्रस्ताव

हालांकि, अभी तक कोई भी समाधान नहीं निकल सका है। उन्होंने यह भी बताया कि 50 से कम बच्चों वाले इस स्कूल को जर्जर भवन के चलते मया का पुरवा के स्कूल में विलय के लिए भी प्रस्ताव भेजा गया था, जो अभी तक लंबित है।

बिल्हौर नगर पालिका का विस्तार होना अब तय!

» फाइलें शासन स्तर पर पहुंच चुकी हैं, सर्वे का कार्य भी हो रहा

» भाजपा नेता का दावा, अब कोई नहीं रोक सकता सीमा विस्तार

सुभानपुर, मुरादनगर, रहमतपुर और बिल्हौर देहात के गांव हो सकते हैं शामिल

» रिज़वान कुरैशी, स्वराज इंडिया

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर नगर पालिका की सीमा विस्तार को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों की मानें तो नगर के समीपवर्ती कई ग्रामों को नगर पालिका क्षेत्र में शामिल करने की तैयारी चल रही है। भाजपा के एक स्थानीय नेता ने दावा किया है कि इस बार नगर का विस्तार होकर रहेगा, आवश्यक कागजी कार्रवाई अंतिम चरण में है। शासन स्तर पर फाइलें पहुंच चुकी हैं, सर्वे का कार्य भी हो रहा है, अब केवल प्रशासनिक औपचारिकताएं बाकी हैं। वहीं जनप्रतिनिधि भी इस दिशा में सक्रिय नजर आ रहे हैं और उच्चाधिकारियों से लगातार संवाद कर रहे हैं।

क्षेत्रों में विरोध के स्वर सुनाई नहीं दे रहे हैं, लेकिन दबी जुबान लोग आपस में चर्चा कर विरोध कर रहे हैं। लेकिन शासन और प्रशासन की मंशा इस बार सीमा विस्तार को अमलीजामा पहनाने की है। यही वजह है कि अबकी बार पंचायत चुनाव से पहले इस पर काम शुरू किया जा चुका है। सूत्रों के मुताबिक नगर पालिका क्षेत्र में जिन गांवों को शामिल करने की चर्चा है उनमें सुभानपुर, मुरादनगर, रहमतपुर और बिल्हौर देहात के कई गांव प्रमुख हैं। इन गांवों को अगर

बिल्हौर नगर पालिका परिषद कार्यालय का मुख्य द्वार।

नगर सीमा में जोड़ा जाता है तो वहां के लोगों को मूलभूत शहरी सुविधाएं मिल सकेंगी, जो अभी तक केवल कागजों तक सीमित हैं। सीमा विस्तार की चर्चा जोर पकड़ने के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

केवल चर्चाएं ही हैं कि जमीनी हकीकत भी बदलेगी : लोगों की अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस बार केवल चर्चाएं नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत भी बदलेगी? क्या वाकई सुभानपुर, मुरादनगर, रहमतपुर, बिल्हौर देहात जैसे गांव नगर पालिका की सीमा में शामिल होंगे? या फिर यह मुद्दा फिर से ठंडे बस्ते में चला जाएगा?

कुछ भाजपा नेताओं की सीएम से मुलाकात के बाद ही शुरू हो गए थे कयास : महीने भर पहले जिस तरह से बिल्हौर नगरपालिका चेयरमैन पद के एक प्रत्याशी और भाजपा के कुछ नेताओं की एक तस्वीर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ वायरल हुई थी। उसी समय इस बात के कयास लगाए जाने शुरू हो गए थे। समय बीतने के साथ ही साथ तस्वीर भी अब धीरे-धीरे साफहोने लगी है।

क्या कहते हैं जानकार : जानकारों का कहना है कि अगर राजनीतिक सहमति बनी रही और कोई कानूनी अड़चन नहीं आई, तो आगामी महीनों में इस प्रस्ताव पर मुहर लग सकती है। विस्तार होते ही बिल्हौर नगर का मानचित्र पूरी तरह बदल जाएगा।

सीमा विस्तार होते ही बढ़ जाएगी हिन्दू वोटरों की संख्या

बिल्हौर। बिल्हौर नगरपालिका की स्थापना के बाद से अब तक यहां पर अधिकांश मुस्लिम वर्ग का चेयरमैन ही बनता रहा है। जिसकी वजह मुस्लिम और हिन्दू वर्ग की आबादी का आंकड़ा है। इसमें मुस्लिम वोट ज्यादा ही है। अपवाद के रूप में जब तब यहां से सपा समर्थित हिंदू प्रत्याशी चेयरमैन की कुर्सी पर काबिज हो पाया है।

यह टीस भाजपा नेताओं को बराबर बनी रहती है कि उनकी पार्टी का चेयरमैन आखिर कब बन पाएगा। सीमा विस्तार हो जाने से नगरपालिका क्षेत्र में हिंदू आबादी का आंकड़ा एकदम से बहुत बढ़ जाएगा और भाजपा की राह आसान हो जाएगी। यही वजह है कि भाजपा नेता इस मिशन को कामयाब बनाने में लगे हुए हैं।

प्रांशू की सफलता पर मनाया जश्न

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कंपोजिट विद्यालय बारामऊ में शनिवार को खुशी का माहौल देखने को मिला जब कक्षा 6 के छात्र प्रांशू का चयन प्रतिष्ठित विहान आवासीय विद्यालय के लिए हुआ। छात्र की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाध्यापक किरन कुरील ने कहा कि यह सफलता विद्यालय की टीम भावना और छात्र की मेहनत का परिणाम है।

विरोध

'यह मुकदमा सपा की बढ़ती लोकप्रियता और गरीबों की शिक्षा के अधिकार पर हमला है'

रचना सिंह पर मुकदमे से भड़के विधानसभा अध्यक्ष, आंदोलन की चेतावनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा से पूर्व सपा प्रत्याशी रचना सिंह गौतम के खिलाफ पीडीए पाठशाला मामले में मुकदमा दर्ज होते ही समाजवादी पार्टी ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताते हुए मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने साफ चेताया है कि यदि मुकदमा वापस नहीं लिया गया, तो समाजवादी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे।

समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय यादव ने तीखी

विनय यादव, बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष सपा

प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मुकदमा उस महिला पर नहीं, बल्कि सपा की बढ़ती लोकप्रियता और गरीबों की शिक्षा के अधिकार पर हमला है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी कार्यकर्ता उन गांवों में पीडीए पाठशाला चला रहे हैं, जहां सरकारी स्कूल या तो बंद हैं या बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं । सरकार चाहती है कि गरीब बच्चा अशिक्षित रहे ताकि वह सवाल न पूछे। अब गरीब को पढ़ाना भी सत्ता की नजर में गुनाह हो गया है। विनय यादव ने रचना सिंह के खिलाफ की गई एफआईआर को पूरी तरह राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक दमन नहीं, बल्कि लोकतंत्र और शिक्षा के अधिकार पर चोट है। गौरतलब है कि बिल्हौर खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह की तहरीर पर अरौल थाने में रचना सिंह गौतम के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि उन्होंने विद्यालय के सामने बिना अनुमति पीडीए पाठशाला चलाई और बच्चों को राजनीतिक उद्देश्यों से जोड़ा। साथ ही, स्कूल बंद होने की अफवाह भी फैलाई गई। फिलहाल समाजवादी पार्टी मुकदमे की वापसी की मांग पर अड़ी हुई है। पार्टी कार्यकर्ता हालात पर नजर रखे हुए हैं और आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है।

सम्पादकीय

संयमित न हुई अभिव्यक्ति तो अंकुश

विभिन्न देशों द्वारा आतंकवादियों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष व परोक्ष मदद पर नजर रखने वाली वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था यानी एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट चौंकाने वाली है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह सनसनीखेज बात उजागर हुई है कि आतंकवादी वित्तीय संसाधन जुटाने व खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में विस्फोटक पदार्थ का एक भाग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदा गया था। निश्चित रूप से जिस तेजी से आतंक का नेटवर्क ऑनलाइन बाजार का फायदा उठा रहा है, वह कानून की नियामक एजेंसियों के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। बताया जा रहा है कि आतंकवादी इंटरनेट के जरिये विस्फोटक बनाने की तरकीब भी सीख रहे हैं। इंटरनेट से बम बनाने की तकनीक सीखने की खबरों के बीच हमारे नीति-नियंताओं को इस पर अंकुश लगाने की दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए। साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंकवादियों के लिए मददगार सामान पर सख्ती से अंकुश लगाएं। इससे पहले एफएटीएफ ने संकेत दिए थे कि पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान आतंकवादियों को न केवल पैसा व हथियार दे रहे हैं बल्कि उन्हें ट्रेनिंग देने में भी मदद की जा रही है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि आतंकी मंसूबों को पूरा करने के लिये आतंकवादी ऑनलाइन सेवाओं के जरिये हथियार, रसायन और थ्री डी-प्रिंटिंग सामग्री भी खरीद रहे हैं। यह विडंबना ही है कि आम नागरिकों के जीवन को सरल-सुविधाजनक बनाने के लिये जिन ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत हुई थी, वह अब आतंकवादियों की मदद का साधन बन गई है। विश्व के आतंकवादी संगठन आधुनिक तकनीक के जरिये न केवल अपने मंसूबों को पूरा कर रहे हैं बल्कि पुलिस व कानून से बचने में इंटरनेट उनका मददगार बन गया है। जिसमें आतंक की पाठशाला चलाने वाली सरकारें भी सहायक बनी हैं।विगत के कुछ वर्षों में हुए कुछ बड़े हमलों की जांच में प्रमाणिक रूप से इस बात का खुलासा हुआ है कि अब आतंकी हमलों के लिये खतरनाक ढंग से ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किया गया है। यह विडंबना ही है कि अपराधी व आतंकवादी खुफिया एजेंसियों द्वारा अपराध नियंत्रण के लिये चलाये जा रहे अभियानों को धता बताकर अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने लगे हैं। जिन ऑनलाइन सेवाओं से उपभोक्ताओं की सुविधाओं को विस्तार दिया जा रहा था, उस व्यवस्था के छिद्रों से अपराधियों ने अपनी सुगम राह तलाश ली है। जिस पर सख्त निगाह रखना सरकारों का प्राथमिक दायित्व बनता है। यदि समय रहते इस दिशा में सख्त कदम न उठाये गए तो यह व्यवस्था आतंकवादियों के खतरनाक अभियानों के लिये सुरक्षित रास्ता बन जाएगा।इस बात का उल्लेख प्रधानमंत्री ने हालिया विदेश यात्रा के दौरान कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों से किया। लेकिन पाकिस्तान जैसे कई देश आतंकवाद के विरुद्ध जारी मुहिम को कमजोर करने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि पाक खुद को आतंकवाद से पीड़ित दर्शाने का कुत्सित प्रयास कर रहा है। यही वजह है कि गत माह वैश्विक निगरानी संस्था एफएटीएफ ने स्पष्ट किया था कि पहलगाम हमला संस्थागत बगैर वित्तीय मदद के संभव नहीं हो सकता था। निश्चित रूप से एफएटीएफ के इस खुलासे से पाकिस्तान दुनिया के सामने एक बार फिर बेनकाब हुआ है।

अंतरिक्ष में अनुसंधान से मानवता हेतु नई उम्मीदें

सुरेश सेठ

इस अंतरिक्ष अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके दौरान होने वाले परीक्षणों से मानवता के लिए महामारी बन रही बीमारियों के उपचार के लिए रास्ता खुलने की उम्मीद है। ये बीमारियां हैं मधुमेह और कैंसर। यदि सफलता मिलती है तो यह मानवता पर उपकार होगा।सुखद है कि 41 वर्ष के बाद किसी भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने न केवल अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष में कदम रखा बल्कि डॉकिंग की नई उपलब्धि के साथ उसने वहां स्थित अंतरिक्ष स्टेशन में भी प्रवेश कर लिया। वे पहले भारतीय थे जिन्होंने न केवल 14 दिन के लिये इस स्टेशन में कदम रख लिया बल्कि दुनिया को भारत की ओर से वसुधैव कुटुम्बकम? का एक संदेश भी मिला।

शुभांशु 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीद ही नहीं, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, बल्कि वे एक नई दुनिया और एक नया भारत बनाने के लिए कुछ विशेष शोध अभियान पर भी हैं। बेशक यह सपना निजी निवेशकों की भागीदारी के साथ देखा जा रहा है और उत्सुक साहसी पर्यटक इस सपने के पूरा होने की उम्मीद कर रहे हैं।अब सोचा जा रहा है कि वैज्ञानिक उपलब्धियों के इस निर्देश के साथ पर्यटन का एक नया क्षेत्र अंतरिक्ष में भी खोल दिया जाए। यह वैश्विक कमाई का एक बड़ा साधन बनेगा और क्योंकि भारत उपग्रहों के प्रक्षेपण में तो सफलता हासिल कर ही चुका है और तीसरी दुनिया के छोटे देशों के लिए संचार उपग्रह प्रक्षेपण कर रहा है। इसलिए अब वह अंतरिक्ष पर्यटन का मार्ग निर्देशक बन सकेगा। इस प्रकार अपने लिए कमाई का एक और उपयोगी मैदान खोल लेगा जहां निवेशकों को इस साहसिक अभियान को शुरू करने की हिम्मत के कारण अधिक प्रतिदान मिल सकेगा।

लेकिन इससे भी अधिक इस अंतरिक्ष स्टेशन में हमारे यात्रियों के प्रवेश के बाद जिन उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही है उसमें से मानवता के लिए महामारी बन रही बीमारियों के उपचार के लिए रास्ता खुलने की उम्मीद है। ये बीमारियां हैं मधुमेह और कैंसर। इस शोध का एक लक्ष्य पृथ्वी पर मधुमेह के नियंत्रण में मदद करना है। दूसरी तेजी से फैलती बीमारी है कैंसर। अभी इस कैंसर का उपचार बहुत खर्चीला है। यह शुभ सूचना है कि शुभांशु शुक्ला और उनके साथी शिन पर रवाना होने के बाद 14 दिनों तक इन बीमारियों के चिकित्सा प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। अंतरिक्ष यात्रियों में से एक अंतरिक्ष में अपने पूरे प्रवास के दौरान निरंतर ग्लूकोज मीटर पहने रहेगा और वास्तविक समय के रक्त शर्करा माप की निगरानी पृथ्वी पर अनुसंधान करके की जाएगी। उड़ान के दौरान इसके नमूने इकट्ठे होंगे और सही उपचार के परीक्षण किए जाएंगे। जो सफल होगा, उसी से अब अंतरिक्ष के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से रोगों का इलाज होगा।अंतरिक्ष उड़ानों से जोड़ों और रक्त प्रवाह पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच होगी। आसान शब्दों में कहें तो इसका अर्थ यह कि आर्थराइटिस या जोड़ों की बीमारियों का क्या कोई हल अंतरिक्ष का यह शोध हमें दे सकता है? कैंसर का अध्ययन भी यहां विशेष रूप से किया जा सकता है। समझा जाता है कि कैंसर की कोशिकाएं सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में आसानी से पुनर्जीवित हो सकती हैं। अगर ऐसा है तो ये स्टैम कोशिकाएं और इनका पुनर्जीवन आदमी की उम्र बढ़ाने को कैसे प्रभावित कर सकता है, इसका अध्ययन भी होगा। यह अध्ययन स्टैनफोर्ड स्टैम सैल इंस्टीट्यूट और जेएम फाउंडेशन की मदद से किए जाएंगे।निस्संदेह, अगर इस अभियान में इस प्रकार कैंसर निदान की कोई बेहतर दवा या उपचार विकसित करने में सफलता मिल जाती है तो यह मानवता के लिये अच्छी खबर होगी। फिर 14 दिन तक हमारे ये सभी यात्री कम्प्यूटर स्क्रीन का ही निरंतर प्रयोग करेंगे। इससे यह भी पता चल जाएगा कि इसका शारीरिक और हमारी संज्ञा पर क्या प्रभाव पड़ता है। आमतौर पर कहा जाता है कि कम्प्यूटर के निरंतर इस्तेमाल से तेजी से आंखों की हरकतें प्रभावित होती है।

आत्मनिर्भरता और सामूहिक समृद्धि का अभियान

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस

डा0 बलकार सिंह

सहकारिता आधुनिक भारत में केवल एक संगठनात्मक ढांचा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और ग्राम आधारित अर्थव्यवस्था की प्रेरक शक्ति बन चुकी है, जो 'मैं' नहीं 'हम' के भाव से राष्ट्र को समृद्धि की ओर ले जा रही है।आधुनिक भारत में सहकारिता अब केवल एक संगठनात्मक ढांचा नहीं रही, बल्कि यह आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और ग्राम आधारित आर्थिक शक्ति का वाहक बन चुकी है। हर वर्ष जुलाई के पहले शनिवार को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि उस चेतना का उत्सव है जिसमें 'मैं' नहीं बल्कि 'हम' का भाव निहित है। यह वह चेतना है जो व्यक्ति की शक्ति को सामूहिक प्रयास में बदल देती है और समाज को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करती है।

भारत में सहकारिता का विचार केवल आधुनिक विकास का उपकरण नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक परंपरा भी है, जिसकी जड़ें हमारे वेदों, पुराणों और ग्राम्य जीवन के नैतिक तंतुओं में गहराई तक फैली हुई हैं। आज, यही भावना आधुनिक सहकारी आंदोलन के रूप में देश के विकास और समृद्धि की आधारशिला बन चुकी है।वर्ष 2025 के संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का थीम है 'सहकारिताएं एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती हैं'। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे सहकारी मॉडल कई वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एक आवश्यक समाधान है और 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को लागू करने के प्रयासों को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखता है। इसका प्रमाण हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक सहकारी सम्मेलन में देखने को मिला, जहां 100 से अधिक देशों के लगभग 3,000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।वर्तमान समय में सहकारिता विविध क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। इसमें डेयरी, मत्स्य पालन, जैविक उत्पाद, बीज उत्पादन, खाद्यान्न भंडारण, ग्रामीण बैंकिंग और अब टैक्सी सेवा जैसी शहरी-ग्रामीण परिवहन सुविधाएं भी सम्मिलित हैं। वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना इसी दूरदर्शिता का परिणाम है।भारत में सहकारिता की नींव 1904 में पड़ी, जब औपनिवेशिक शासन ने सहकारी ऋण समितियों का अधिनियम लागू किया। आजादी के बाद सहकारिता ने एक जनांदोलन का रूप लिया। आज देश में लगभग 8.54 लाख समितियां पंजीकृत हैं, जिनमें से साढ़े पांच लाख के करीब सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। ये समितियां कृषि, दुग्ध-उत्पादन, बैंकिंग, आवास, श्रम, उपभोक्ता सेवा व स्वयं सहायता समूहों तक अनेक क्षेत्रों में फैली हैं।

देशमें 63,000 से अधिक प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने का कार्य चल रहा है। इससे ये समितियां सिर्फ कृषि ऋण तक सीमित न रहकर बहुउद्देश्यीय सेवा केंद्र के रूप में कार्य कर सकेंगी। किसानों के लिए सहकारिता जीवनरेखा है। देश के 86 प्रतिशत से अधिक किसान छोटे और सीमांत हैं, जिनके लिए व्यक्तिगत रूप से आधुनिक संसाधनों तक पहुंचना लगभग असंभव है। ऐसे में प्राथमिक कृषि साख समितियां उन्हें सस्ती दरों पर ऋण, बीज, खाद, उपकरण और विपणन की सुविधा देती हैं।

पूर्व मंत्री स्व. नरेंद्र सिंह के नाम व छवि के दुरुपयोग पर परिजनों ने जताई आपत्ति

» प्रेस कॉन्फेंस कर उनकी पौत्री निहारिका सिंह और अवंतिका सिंह ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस्तेमाल न करें

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री और राज्यसभा सांसद रहे स्वर्गीय चौधरी नरेंद्र सिंह के परिजनों ने उनके नाम व छवि के राजनीतिक दुरुपयोग पर कड़ी आपत्ति जताई है। परिजनों ने स्पष्ट किया है कि स्व. नरेंद्र सिंह का नाम कुछ लोग आज राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से प्रयोग कर रहे हैं, जबकि वे जीवनपर्यंत निस्वार्थ भाव से जनसेवा में लगे रहे।

स्व. नरेंद्र सिंह की पौत्रियों निहारिका सिंह व अवंतिका सिंह ने प्रेस को यह जानकारी साझा की है कि कुछ लोग राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु उनके बाबा जी की तस्वीर और नाम का अपने बैनरों व प्रचार सामग्री में दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि परिवार की अनुमति के बिना ऐसा कोई भी कार्य अस्वीकार्य है और इसका विरोध किया जाएगा।पत्र में बताया गया कि स्व. नरेंद्र सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा सिद्धांतों को प्राथमिकता दी। वर्ष 1995 में जब बहुजन समाज पार्टी के 21 विधायकों का एक गुट अलग हुआ, तब उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देकर स्व. कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री बनाया गया। कल्याण सिंह की सरकार में वे ग्रामीण विकास मंत्री रहे और बाद में रामप्रकाश गुप्ता सरकार में खाद्य एवं रसद मंत्री के रूप में भी योगदान दिया।भारतीय जनता पार्टी के कानपुर दक्षिण जिलामंत्री संजय कटियार ने भी इस बात की पुष्टि की है कि स्व. नरेंद्र सिंह सच्चे जनसेवक थे और उन्होंने कभी व्यक्तिगत लाभ के लिए राजनीति नहीं की।परिजनों ने अपील की है कि उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा अवश्य की जाए, लेकिन किसी भी राजनीतिक दल को उनके नाम का स्वार्थवश उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

अखिल भारतीय ओमर उमर वैश्य महासभा की कानपुर इकाई का गठन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। न्यू सागर मार्केट में आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय ओमर उमर वैश्य महासभा की नगर इकाई (कानपुर) का गठन राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता की अगुवाई में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर संजय कुमार गुप्ता राधा को नगर अध्यक्ष, रूपेश गुप्ता को मंत्री एवं अजय गुप्ता को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। साथ ही कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई।कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ गुप्ता बिस्सू ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य रूप से राम प्रकाश ओमर, धर्म प्रकाश गुप्ता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दीपक कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अंकित गुप्ता और संगठन मंत्री ज्ञान प्रकाश उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त टीम को शुभकामनाएं दीं।

राजनीति की चक्की में पिसता न्याय गाड़ी विधायिका की आरोपी अज्ञात

» छह मुकदमों वाला मनीष गायब, विधायक का ड्राइवर बना आशीष

» न मौत रुकी, न झूठः गाड़ी विधायिका की, मगर आरोपी अब तक गायब

» दुर्घटना में रसूख की दखल एफआईआर में असली नाम की जगह अज्ञात क्यों

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव में कारोबारी आशु उर्फ निखिल गुप्ता की मौत की कहानी अब सड़कों से उठकर राजनीतिक गलियारों में गूंजने लगी है। विधायिका सरोज कुरील की एसयूवी से हुई टक्कर में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद गाड़ी से शराब की बोतलें और बीयर की कैन बरामद की गईं। चश्मदीदों और प्रारंभिक रिपोर्ट में ड्राइवर का नाम मनीष तिवारी बताया गया लेकिन अब सड़कमें अज्ञात चालक लिखा गया है और नया नाम आशीष तिवारी सामने लाया गया है।

मनीष तिवारी पर दर्ज आपराधिक मुकदमे

1. मुकदमा अपराध संख्या 830/2007, थाना घाटमपुर
2. मुकदमा अपराध संख्या 571/2009, थाना घाटमपुर
3. मुकदमा अपराध संख्या 721/2009, 3/4 गुंडा एक्ट, थाना घाटमपुर
4. मुकदमा अपराध संख्या 407/2011, 3/4 गुंडा एक्ट, थाना घाटमपुर
5. मुकदमा अपराध संख्या 112/2015, थाना नौबस्ता
6. मुकदमा अपराध संख्या 267/2023, थाना साढ़

मनीष तिवारी का आपराधिक रिकॉर्ड क्या यही असली आरोपी

सूत्रों के अनुसार, हादसे के समय गाड़ी मनीष तिवारी चला रहा था जो विधायिका का बेहद करीबी माना जाता है और उस पर पहले से गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।इसका आपराधिक इतिहास इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मामला गंभीर है, लेकिन उसे बचाने के लिए नाम को बदलने का प्रयास किया गया है। पुलिस ने राजनीतिक दबाव में मामले को अज्ञात चालक के हवाले कर दिया।

विधायिका का खास मनीष तिवारी

पीड़ित परिवार का छलावा-कोई नहीं खड़ा, बस बयानबाज़ी है

भले ही विधायिका ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने का दावा किया हो, लेकिन परिवार के अनुसार न कोई प्रतिनिधि, न कोई अफसर, न कोई नेता उनके पास आया। परिवार ने कहा पूरी कोशिश है कि मामला रफा-दफा कर दिया जाए।स्वराज इंडिया जल्द ही पीड़ित परिवार के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित करेगा।

मनमाने ढंग से खोद दी सड़क, अफसर के सामने पार्षद पति से भिड़ा ठेकेदार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के बारासिरोही में शुक्रवार को जलकल विभाग के महाप्रबंधक को नारकीय स्थिति दिखाते समय पार्षद ज्योति पासवान के पति दिनेश की ठेकेदार से कहासुनी, धक्का-मुक्की हुई। पार्षद ने नगर आयुक्त से शिकायत कर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई और सड़कों को चलने योग्य बनाने की मांग की। अमर उजाला में यह मामला प्रकाशित होने पर कार्रवाई शुरू हुई। अमृत 2.0 योजना के तहत जल निगम नानकारी सहित पांच वार्डों में घर-घर पानी पहुंचाने के लिए

पाइपलाइनें बिछवा रहा है।

ठेकेदार ने नानकारी वार्ड के बारासिरोही मोहल्ले में बरसात के दौरान आधी से ज्यादा सड़कें मनमाने तरीके से खोदते हुए पाइपलाइनें बिछाईं पर इसके बाद सड़कें चलने योग्य नहीं कीं। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने 23 जुलाई को निरीक्षण के दौरान जल निगम के अधिकारियों और ठेकेदार कंपनी पी दास के प्रतिनिधियों को इन सड़कों के ठीक होने तक अन्य सड़कें न खोदने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद ठेकेदार ने 24 जुलाई को भी न सिर्फ खोदाई जारी रखी बल्कि सीएनजी लाइन भी तोड़ दी थी।

लगातार खोदाई जारी रखने और खोदी सड़कों को ठीक न करने की शिकायत पर शुक्रवार को नगर आयुक्त ने जलकल विभाग के महाप्रबंधक आनंद कुमार त्रिपाठी को मौके पर जांच करने भेजा। जीएम ने जल निगम के अधिकारियों, ठेकेदार निखिल जोशी और क्षेत्रीय पार्षद पति दिनेश पासवान के बारासिरोही का निरीक्षण किया।

पीएम किसान निधि बनी किसानों की ताकत : विधायक पूनम संखवार

» वर्चुअल माध्यम से पीएम मोदी ने देशभर के किसानों को भेजी सम्मान निधि

» रसूलाबाद में विधायक समेत भाजपा नेताओं ने देखा सीधा प्रसारण

» किसानों को मिला सीधा लाभ, सरकार की योजना सराहनीय : विधायक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

कानपुर देहात। भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को किसानों के लिए मील का पत्थर बताते हुए विधायक पूनम संखवार ने कहा कि इस योजना ने किसानों के दुख-दर्द को समझा और उन्हें आर्थिक राहत दी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इस योजना से देश के लाखों किसानों को संबल देने का कार्य किया है। रसूलाबाद ब्लॉक सभागार में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को संबोधित किया और उनके खातों में करोड़ों रुपये की सम्मान निधि ट्रांसफर की। सभा में मौजूद सभी भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस प्रसारण को बड़े उत्साह के साथ देखा।

विधायक के साथ पार्टी के कई पदाधिकारी रहे मौजूदकार्यक्रम में भाजपा विधायक पूनम संखवार के साथ बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इसमें प्रमुख रूप से पप्पू दुबे, हेमू सिंह गौर, अमित सिंह, राजेश सिंह, गौरव सिंह, अटल बाजपेई, ओम शंकर सिंह, राम महेश, मीनू शुक्ला, हर्ष तिवारी तार बाबू, पंकज दुबे, पिंकू अवस्थी, राजनरायण यादव, राम किशन, पारुल, हिमांशु सहित अन्य लोग शामिल रहे।

सभी ने योजना की सराहना करते हुए इसे किसान हितैषी बताते हुए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

बाढ़ पीड़ितों को मिला सहारा, राहत सामग्री का वितरण शुरू

» प्रशासन ने बांटे लंच पैकेट, टिंयोगा और क्योटरा में 50 से अधिक परिवारों को मिली मदद

» कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि व एसडीएम की मौजूदगी में हुआ वितरण, जरूरी सामानों से भरे पैकेट बांटे गए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों में प्रशासन ने राहत कार्यों की शुरुआत कर दी है। शनिवार को टिंयोगा और क्योटरा गांवों में 50 से अधिक बाढ़ पीड़ित परिवारों को शासन से प्राप्त राहत सामग्री का वितरण किया गया। इससे पहले प्रभावित क्षेत्रों में लंच पैकेट भी बांटे गए थे।

एसडीएम भोगनीपुर देवेंद्र सिंह ने बताया कि पथार, आढ़न, क्योंटरा बांगर, क्योंटरा और देवराहट गांवों में लंच पैकेट वितरित किए गए हैं।

शाम को टिंयोगा और क्योंटरा गांवों में शासन द्वारा भेजी गई राहत सामग्री में आटा, दाल, चावल, आलू, तेल, नमक, मसाले, बाल्टी, लईया आदि जरूरी सामान वितरित किया गया।

राहत वितरण के समय कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के प्रतिनिधि अशोक सचान, तहसीलदार प्रिया सिंह, लेखपाल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

नवागत डीएम कपिल सिंह का व्यापार मंडल ने किया स्वागत

» डीएम बोले – जनहित और व्यापारिक विकास रहेगी प्राथमिकता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने नवागत जिलाधिकारी कपिल सिंह का कलेक्ट्रेट माती में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने व्यापार मंडल पदाधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि जनपद में आमजनमानस और व्यापारियों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता मोनू से कहा कि व्यापारी वर्ग किसी भी प्रकार की समस्या को बेहिचक साझा कर सकता है और उनके समाधान के लिए प्रशासन सदैव तत्पर रहेगा।इस मौके पर प्रदेश संगठन मंत्री नीरज मिश्रा, जिला संरक्षक महेश अग्रवाल, वरिष्ठ महामंत्री पीयूष कौशल, नगर अध्यक्ष सिकंदरा अजय बाजपेई, नगर अध्यक्ष रुरा आशुतोष मिश्रा, नगर अध्यक्ष पुखरायां नीतेश गुप्ता, नगर महामंत्री रुरा कपिल मिश्रा, चंदन कुलश्रेष्ठ सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

ऑटो चालक से मारपीट कर वाहन लूटकर भागे टप्पेबाज

» सरवनखेड़ा के पास वारदात, मोबाइल और नकदी भी लूट ले गए

» तीन अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज, पुलिस कर रही तलाश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। थाना गजनेर क्षेत्र में ऑटो चालक के साथ मारपीट कर उसका ऑटो, मोबाइल और नकदी लूटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रानीगंज पड़ाव पनकी रेलवे स्टेशन, कानपुर नगर निवासी शशिकांत गुप्ता ने बताया कि उनका ऑटो राजू नामक युवक चलाता है। 29 जुलाई की सुबह करीब 4:30 बजे कल्याणपुर क्रॉसिंग के पास से तीन अज्ञात युवकों ने सरवनखेड़ा के सराय गांव जाने के लिए ऑटो बुक किया।

सुबह 5:30 बजे के करीब सरवनखेड़ा से दो किलोमीटर पहले एक पुलिया के पास युवकों ने ऑटो रुकवाकर चालक राजू से मारपीट की और 430 रुपये नकद, मोबाइल फोन लूटने के बाद ऑटो लेकर फरार हो गए।

सूचना मिलते ही गजनेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की।

थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि तीन अज्ञात आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

लीकेज से बह रहा हजारों लीटर पानी, जल जीवन मिशन की खुली पोल

» शिकायतों के बाद भी नहीं हो रही मरम्मत, ग्रामीण बेहाल

» अधूरी पाइप लाइन, टूटी सड़कें और जलभराव से मोहल्ले परेशान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकासखंड मलासा के ग्राम मलासा माजरा धौकलपुर में जल जीवन मिशन की पेयजल योजना बुरी तरह दम तोड़ती नजर आ रही है। गांव में जगह-जगह पाइप लाइन लीकेज होने से रोजाना लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। नालियों और गलियों में बहते पानी से जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों हिमांशु, कल्लू, रवि, महेश आदि ने बताया कि गांव के कई मोहल्लों में पानी की टंकी में टोंटी तक नहीं लगी है। टंकी से पानी सीधे नालियों में बह रहा है। कई जगह पाइप लाइन टूट चुकी है, लेकिन शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही।

सड़कें टूटी, मरम्मत अधूरी

मिशन में सिर्फ खानापूरी

पाइप लाइन डालने के लिए गांव की सभी मुख्य सड़कों को खोदा गया था, लेकिन अब तक मरम्मत अधूरी है। सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं और लीकेज के चलते कीचड़ व जलभराव ने ग्रामीणों का निकलना मुश्किल कर दिया है। गांव में लगातार लीकेज की शिकायतें की गईं, लेकिन जल निगम के अधिकारी चुप्पी साधे हैं। जब इस संबंध में जल निगम के सहायक अभियंता संजय सिंह से संपर्क किया गया, तो उनसे बात नहीं हो सकी।

लखनऊ में सर्किल रेट में बड़ी बढ़ोतरी

» प्रेस वार्ता के दौरान जिला प्रभारी बोले ऐसे लोगों को दिखाया जाएगा बाहर का रास्ता

» सदस्यता अभियान में तेजी लाने के लिए बुलाई बैठक

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 1 अगस्त 2025 से नया सर्किल रेट लागू हो गया है। इससे अब मकान, दुकान या जमीन की खरीद-फरोख्त पहले की तुलना में ज्यादा महंगी हो गई है। करीब 10 साल बाद जिला प्रशासन ने सर्किल रेट में बड़ा बदलाव किया है, जिससे रजिस्ट्री के दौरान चुकाई जाने वाली रकम भी बढ़ेगी।

नए नियमों के तहत अब सिर्फ कॉलोनी के नाम पर रेट तय नहीं होगा। अब यह देखा जाएगा कि संपत्ति किस सड़क पर है, आसपास किस तरह की गतिविधियां हो रही हैं और जमीन का किस उपयोग के लिए इस्तेमाल हो रहा है। यानी रेट तय करने में अब क्षेत्र की व्यावसायिकता और बुनियादी सुविधाओं की भी भूमिका होगी।

पारिवारिक संपत्ति में छूट यथावत

हालांकि, सरकार ने पारिवारिक संपत्तियों के हस्तांतरण (जैसे पिता से पुत्र, या भाई-बहन के बीच) पर पहले की तरह छूट बरकरार रखी है। इससे पारिवारिक लेन-देन पर आर्थिक बोझ नहीं बढ़ेगा।

रियल एस्टेट पर असर

सर्किल रेट बढ़ने से जहां रजिस्ट्री से मिलने वाला राजस्व बढ़ेगा, वहीं आम खरीदारों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। प्रॉपर्टी डीलरों और बिल्डर्स का मानना है कि इससे बाजार में कुछ समय के लिए मंदी का असर पड़ सकता है।लखनऊ में प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त करने वालों को अब ज्यादा कीमत चुकानी होगी। इसलिए कोई भी सौदा करने से पहले नया सर्किल रेट जानना जरूरी हो गया है।

संपत्ति पर कितना बढ़ा रेट

कृषि भूमि (खेती योग्य जमीन)-15प्रति तक बढ़ोतरी
व्यावसायिक संपत्ति (दुकान, ऑफिस आदि)- 25प्रति तक बढ़ोतरी
बहुमंजिला इमारते-औसतन 20प्रति तक रेट में इजाफा
दुकानें, गोदाम, ऑफिस- औसतन 20प्रति तक महंगे हुए

संस्कृति विवि में मेगा जॉब फेयर का धमाकेदार आगाज़

» पहले ही दिन उमड़ी छात्रों की भीड़

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा।संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय बिगेस्ट एवर मेगा जॉब फेयर का आगाज़ जबरदस्त रहा। पहले ही दिन देशभर से हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं रोजगार की तलाश में विश्वविद्यालय पहुंचे। सुबह नौ बजे से पहले ही मेले स्थल पर विद्यार्थियों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे आयोजन की लोकप्रियता और युवाओं की उम्मीदें स्पष्ट नजर आईं।

संस्कृति विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल और छात्र-छात्राओं की विशेष टीम ने इस आयोजन को कुशलता से संचालित किया। टीम ने बताया कि भारी संख्या में हुए पूर्व-रजिस्ट्रेशन से ही स्पष्ट हो गया था कि चुनौती बड़ी है, लेकिन महीनों की तैयारी और दर्जनों मीटिंग्स के बाद सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद कर दी गई थीं। विवि प्रशासन ने एक दिन पहले ही तमाम जरूरी इंतजाम पूरे कर लिए थे, जिससे उम्मीदवारों को किसी तरह की असुविधा न हो।

जैसे ही विद्यार्थी परिसर में पहुंचे, उन्हें संबंधित कंपनियों और विभागों तक पहुंचाने के लिए विवि की टीम सक्रिय हो गई। संस्कृति प्लेसमेंट सेल के अधिकारी मौके पर हर स्थिति को संभालने के लिए पूरी तत्परता से मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने व्यवस्थाओं की भूरि-भूरि सराहना की।

प्लेसमेंट सेल के मुताबिक, 31 जुलाई की शाम तक 1500 से अधिक विद्यार्थी पंजीकरण करवा चुके थे। इस रोजगार मेले में भाग लेने के लिए देशभर से छात्र पहुंचे हैं। विवि ने जॉब फेयर की जानकारी कॉलेजों, संस्थानों, रोजगार कार्यालयों, और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बड़े स्तर पर प्रचारित की थी।

संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह रोजगार मेला न केवल छात्रों के लिए सुनहरा अवसर है, बल्कि यह आयोजन समग्र कल्याण और सबको अवसर देने की सोच को भी दर्शाता है। उद्योग विभाग के स्थानीय अधिकारियों ने भी इस पहल में रुचि दिखाई है और युवाओं को अधिक से अधिक लाभ उठाने की सलाह दी है।

सलेहपुर में शमशान भूमि पर अवैध कब्जा, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

» स्थानीय प्रशासन ने शुरू की कार्रवाई, ग्रामीणों में रोष

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निंदूरा (बाराबंकी)। फतेहपुर तहसील के अंतर्गत परगना सलेहपुर गांव में शमशान भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे को लेकर एक ग्रामीण ने मुख्यमंत्री और उप जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ग्राम सभा की शमशान भूमि गाटा संख्या 53 एवं गाटा संख्या 202/2 पर कुछ दबंगों द्वारा अवैध निर्माण और कब्जे का प्रयास किया जा रहा है।

शिकायतकर्ता ने पत्र में बताया कि यह भूमि सार्वजनिक उपयोग की है और उस पर कब्जा होना गांव की सामूहिक सम्पत्ति के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से कब्जा हटवाया जाए और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाए।

मामले को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। साथ ही, पुलिस को मौके पर भेजकर अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में कोई भी ग्राम समाज की भूमि पर इस तरह कब्जा न कर सके। ग्राम सभा की भूमि हमारी सांझी विरासत है, इसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्रशासन को ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई करनी चाहिए, – एक स्थानीय निवासी।

प्रशासन द्वारा की गई प्रारंभिक कार्रवाई से लोगों को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन वे स्थायी समाधान की अपेक्षा कर रहे हैं।

नजूल भूमि पर 'दबंगो का कब्जा'

» सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी नाका के सामने चल रहा 'अवैध टैक्सी स्टैंड साम्राज्य'!

» जिलाधिकारी ने मामले को संज्ञान में लेकर दिया जांच का आदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सिद्ध पीठ नाका हनुमानगढ़ी के सामने 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित नजूल विभाग की करोड़ों रुपये मूल्य की भूमि पर वर्षों से चल रहा

अवैध कब्जा और टैक्सी स्टैंड संचालन अब खुलकर सामने आ गया है। गाटा संख्या 4536, 4537 व 4548 पर एक प्रभावशाली दबंग परिवार ने न केवल कब्जा जमा रखा है, बल्कि वहां से अवैध रूप से टैक्सी स्टैंड भी चलाया जा रहा है वह भी धार्मिक परिक्रमा मार्ग पर! यह सब प्रशासन की नाक के नीचे हो रहा है, लेकिन अधिकारियों की चुप्पी ने इस पूरे प्रकरण को और भी संदिग्ध बना दिया है।

स्थानीय नागरिकों और संत समाज का आरोप है कि इस मामले की शिकायतें नजूल विभाग और सदर तहसील प्रशासन को कई बार दी गईं, लेकिन हर बार फाइलें धूल फांकती रह गईं। न कोई सुनवाई, न कोई कार्रवाई।

अब जनता पूछ रही है क्या ये 'कब्जा राज' किसी मिलीभगत का नतीजा है?

व्यापारी वर्ग और श्रद्धालुओं ने भी प्रशासन से मांग की है कि इस धार्मिक मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए,

जिससे न केवल जन असुविधा दूर हो बल्कि शासन की साख भी बनी रहे।

अयोध्या के नए डीएम

फिलहाल जिलाधिकारी ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच के निर्देश दिए हैं, लेकिन असली सवाल यही है। क्या जांच इस बार भी 'कब्जा संस्कृति' के नीचे दब जाएगी, या अब होगा अतिक्रमण पर एक्शन?

सावन में चल पड़ा नकली नोट रैकेट!

» हनुमानगढ़ी के दुकानदारों को थमाए 500 के नकली नोट

गिरफ्तार युवक ने खोले नेपाल कनेक्शन के राज!

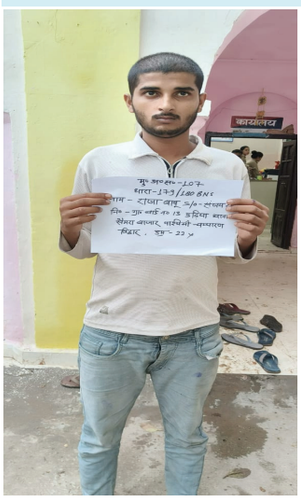

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। श्रावण मेले की भारी भीड़ के बीच अयोध्या में नकली करेंसी गिरोह ने अपने पंजे फैलाने शुरू कर दिए हैं।

हनुमानगढ़ी के सामने एक

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

दुकानदार को 500 का नकली नोट थमाने की कोशिश कर रहा एक संदिग्ध युवक रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

तलाशी में उसके पास से 500 के 10 नकली नोट बरामद हुए।गिरफ्तार युवक की पहचान राजा बाबू, निवासी थाना सेमरा बाजार, जिला पश्चिम चंपारण (बेतिया), बिहार के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को नेपाल कनेक्शन की आहट मिली है आशंका है कि ये नकली करेंसी नेपाल सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश कर रही है।

स्थानीय थाना रामजन्म भूमि पुलिस ने तत्काल राजा बाबू के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है, जबकि इंटेलिजेंस एजेंसियां नकली नोट रैकेट के गहरे तारों की छानबीन में जुट चुकी हैं।

नकली नोट, भीड़ और बेखौफ जालसाज

सावन में रामनगरी की अर्थव्यवस्था पर बड़ा हमला।हनुमानगढ़ी के दुकानदारों ने पहले भी नकली नोट मिलने की शिकायत की थी, लेकिन पहली बार कोई आरोपी मौके पर पकड़ा गया है। सवाल उठता है क्या अयोध्या में नकली करेंसी गिरोह फिर सक्रिय हो चुका है? क्या सावन की भीड़ को मोहरा बनाकर करोड़ों के नकली नोट खपाने की तैयारी थी?

मैक्स हॉस्पिटल नोएडा ने अयोध्या में शुरू की न्यूरोसर्जरी ओपीडी सेवाएं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा ने अयोध्या स्थित दवा घर में न्यूरोसर्जरी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की है। हर महीने के पहले शनिवार को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक सीनियर न्यूरोसर्जन डॉ. रोहित कुमार पांडे परामर्श देंगे।

उद्घाटन के मौके पर डॉ. पांडे ने कहा कि ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी की समस्याएं और सड़क दुर्घटनाओं में आई चोटों के कारण न्यूरोसर्जरी की मांग बढ़ी है। सिरदर्द, मतली और थकावट जैसे लक्षणों को हल्के में न लें। समय रहते इलाज से जटिलताओं से बचा जा सकता है।

मैक्स हॉस्पिटल अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञों की टीम के साथ न्यूरोसर्जरी के जटिल मामलों में बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

रूस के पास अमेरिका तैनात करेगा परमाणु पनडुब्बियां!

पुतिन के करीबी दिमित्री मेदवेदेव की धमकी से भड़के डोनाल्ड ट्रंप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के करीब दो परमाणु पनडुब्बियां को तैनात करनी की बात कही है। राष्ट्रपति के द्वारा ये ऐलान रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव की धमकियों के जवाब में किया गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर पोस्ट करते हुए ट्रंप ने लिखा, 'रूस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव के भड़काऊ बयानों को देखते हुए, मैंने दो परमाणु पनडुब्बियों को उपयुक्त क्षेत्रों में तैनात करने का आदेश दिया है। यह एहतियात के तौर पर किया गया है, ताकि अगर ये मूर्खतापूर्ण और भड़काऊ बयान केवल शब्दों तक सीमित न रहें, तो हम तैयार रहें। शब्दों का बहुत महत्व होता है, और कई बार ये अनजाने में गंभीर परिणामों की ओर ले जा सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि इस बार ऐसा नहीं होगा।'

> "यह एहतियात के तौर पर किया गया है, ताकि अगर ये मूर्खतापूर्ण और भड़काऊ बयान केवल शब्दों तक सीमित न रहें, तो हम तैयार रहें। शब्दों का बहुत महत्व होता है, और कई बार ये अनजाने में गंभीर परिणामों की ओर ले जा सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि इस बार ऐसा नहीं होगा।
> **डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति**

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत द्वारा रूस से ऊर्जा खरीदने को लेकर भारत पर 25 फीसदी शुल्क लगाने का फैसला किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दिमित्री ने टेलीग्राम चैनल पर लिखा, 'भारत और रूस की 'डेड इकॉनॉमी' और 'खतरनाक क्षेत्र में प्रवेश' की बात करने से पहले उन्हें अपनी पसंदीदा फिल्में 'वॉकिंग डेड' याद करनी चाहिए, और यह भी समझना चाहिए कि 'डेड हैंड' कितना खतरनाक हो सकता है भले ही वो अब अस्तित्व में न हो।'

ट्रंप ने बताया यूक्रेन के साथ जंग में रूस को कितना हुआ नुकसान : डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ पर पोस्ट कर बताया है कि यूक्रेन के साथ जंग में रूस के कितने सैनिक मारे गए हैं. ट्रंप ने कहा कि इस महीने रूस के लगभग 20,000 सैनिक यूक्रेन के साथ इस बेवकूफी भरी जंग में मारे गए हैं। साल की शुरुआत से अब तक रूस अपने 1,12,500 सैनिक खो चुका है। उन्होंने कहा कि इस जंग में यूक्रेन को भी बहुत नुक़सान हुआ है। 1 जनवरी 2025 से अब तक यूक्रेन ने लगभग 8,000 सैनिक खोए हैं, और यह आंकड़ा अभी गायब सैनिकों को शामिल नहीं करता। यूक्रेन में कुछ नागरिक भी खोए हैं, लेकिन इनकी संख्या बहुत कम है।

राज्यसभा में क्या हुआ?

'लोकतंत्र में दुखद और काला दिन'

नई दिल्ली। प्रमोद तिवारी ने कहा कि आज भारत के लोकतंत्र में दुखद और काला दिन है। सदन में कमांडो तैनात किए गए हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि ये सीआईएसएफ कर्मी हैं जबकि कुछ लोग कुछ अन्य बातें कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने डिप्टी चेयरमैन हरिवंश नारायण सिंह को पत्र लिख सदन में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती पर हैरानी जताई। उन्होंने इन सुरक्षाकर्मियों को सीआईएसएफ कर्मी बताया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने पत्र में राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरिवंश नारायण सिंह से कहा कि हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया जा रहा है, जब सदस्य अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में, जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे तो सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि आज भारत के लोकतंत्र में दुखद और काला दिन है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में लैंडस्लाइड

एसडीएम और बेटे की मौके पर मौत, पत्नी समेत 3 घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में लैंडस्लाइड की चपेट में आने से एक सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) और उनके बेटे की मौत हो गई। वहीं, उनकी पत्नी व दो अन्य लोग घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात सलुख इख्तर नाला इलाके की है। एसडीएम राजिंदर सिंह राणा अपने परिवार के साथ धर्मारी से अपने पैतृक गांव पट्टियां जा रहे थे। तभी लैंडस्लाइड हुई और एक बड़ा पत्थर उनकी गाड़ी पर आ गिरा। इससे राणा और उनके बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही उनकी पत्नी और दो चचेरे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय निवासियों और पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। शुरुआती इलाज के बाद उन्हें रियासी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

लद्दाख में सेना की गाड़ी पर पत्थर गिरा, 2 की मौत : लद्दाख में 30 जुलाई की सुबह सेना की एक गाड़ी लैंडस्लाइड की चपेट में आ गई थी। हादसा दुर्बुक से चोंगताश की ओर जाते वक्त हुआ था। इसमें लेफ्टिनेंट कर्नल भानू प्रताप सिंह और दलजीत सिंह की मौत हो गई थी, जबकि सेना के तीन अफसर घायल हो गए थे। घायलों में मेजर मयंक शुभम (14 सिंध हॉर्स), मेजर अमित दीक्षित और कैप्टन गौरव (60 आर्म्ड) शामिल थे।

विवादित टिप्पणी

युवा पत्रकारों के लिए ये क्या बोल गए रेवंत रेड्डी

'कभी-कभी मन करता है कि...'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हैदराबाद। कभी-कभी मन करता है कि... तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने युवा पत्रकारों पर अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने उन पर अपने वरिष्ठ समकक्षों के प्रति बुनियादी सम्मान की कमी का आरोप लगाया है।

एक कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि विश्लेषण करने के लिए, वे (पत्रकार) अपने स्वास्थ्य और परिवार को दांव पर लगा देते हैं। लोगों की समस्याओं को समझने के लिए, वे कई दिनों तक दूर-दराज के इलाकों में जाते हैं और अपने निष्कर्षों को प्रकाशित करने के लिए जनता के बीच रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब, युवा पत्रकारों को उन वरिष्ठ पत्रकारों के बारे में पता भी नहीं है। उनमें इतनी भी समझदारी नहीं है कि जब वे वरिष्ठ पत्रकार आते हैं तो खड़े हो जाएं और जब हम

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं तो वे (युवा पत्रकार) आगे की पंक्तियों में बैठते हैं और मुझे ऐसे देखते हैं जैसे मैं उनका अभिवादन नहीं कर रहा हूं और अपना सिर झुका रहा हूं। कभी-कभी मेरा मन करता है कि उन्हें थप्पड़ मार दूँ। लेकिन हालात और स्थिति बीच में आ जाती है अपने बयान के बाद रेवंत रेड्डी विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि पहले तो राहुल गांधी कहते हैं कि वह चुनाव आयोग को परमाणु बम से उड़ा देंगे, तो रेवंत रेड्डी, मैं क्यों पीछे रहूँ? एक ने संवैधानिक संस्था का अपमान किया है, और दूसरा व्यक्ति लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का अपमान कर रहा है। पहले भी वह ऐसे बयान दे चुके हैं। 4-5 दिन पहले उन्होंने कहा था कि जो लोग इंदिरा गांधी के बारे में नहीं जानते, वह उन्हें पीटेंगे। आपातकाल का डीएनए केवल राहुल गांधी में नहीं है, यह उनकी पूरी पार्टी में है। यह उनके राजनीतिक चरित्र का हिस्सा है।